हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 203 | 21 जुलाई 2025 सोमवार | हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–४/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

मेरठ में सीएम योगी ने की कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा, बोले....

उपद्रवी कांवड़ियों के वेश में छिपे

- **योगी बोले– बेनकाब करें: उनके सीसीटीवी हमारे पास, पोस्टर चस्पा करेंगे, मेरठ में कांवड़ियों पर फूल बरसाए**
- **हुड़दंग मचाने, तोड़फोड़ करने वालों पर होगा एक्शन**

मेरठ,(एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को मेरठ पहुंचे और हाईवे से कांवड़ लेकर गुजरते शिवभक्तों पर फूल बरसाए। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों को सुगम यात्रा कराना हमारी प्राथमिकता है। मगर हुड़दंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मेरठ पहुंचे और कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। सीएम ने साफ कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हुड़दंग मचाने वाले और तोड़फोड़ करने वालों का बख्शा नहीं जाएगा। सीसीटीवी के माध्यम से उन्हें चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी। कानून हाथ में लेने का किसी को हक नहीं है। मोदीपुरम की शोभित यूनिवर्सिटी में सीएम का हेलीकॉप्टर उतरा। दुल्हेड़ा चौकी के पास लगे स्टेज से सीएम ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। स्टेज पर राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपई, राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, निवर्तमान दर्ज प्राप्त मंत्री पंडित सुनील भराला, कैंट विधायक अमित अग्रवाल समेत अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। पूर्व विधायक संगीत सोम को रोका मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मेरठ आगमन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शोभित यूनिवर्सिटी में सीएम योगी के हेलीकॉप्टर के उतरने का कार्यक्रम था। शोभित विवि के बाहर पूर्व विधायक संगीत सोम को रोक दिया गया। संगीत सोम अपनी गाड़ी से अंदर जाने के लिए अड़ गए, लेकिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें

अंदर नहीं जाने दिया। इस बीच संगीत सोम इधर उधर फोन घुमाते रहे। काफी देर खड़े होने के बाद वह अपनी गाड़ी से आगे चले गए। संगीत सोम और लक्ष्मीकांत वाजपेयी की पुलिस से बहस मेरठ में योगी के कार्यक्रम में जाते वक्त भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम की पुलिस से बहस हो गई। कांवड़ियों की भीड़ के कारण पुलिस ने उन्हें प्राइवेट गाड़ी से कार्यक्रम स्थल पर जाने से रोक दिया था। संगीत सोम गाड़ी ले जाने पर अड़ गए। 20 मिनट तक एसपी से बहस हुई। इसके बाद संगीत सोम वहां से चले गए। फिर दूसरे रास्ते से सीएम के कार्यक्रम में पहुंचे। वहीं, राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी की कार को भी रास्ते में ही पुलिस वालों ने रोक दिया। इससे गुस्साए सांसद ने कहा– यहीं बीच में गाड़ी खड़ी कर दूंगा। अभी पता लग जाएगा। दरअसल, अफसर उन्हें पहचान नहीं सके। बाद में उन्होंने अपना परिचय दिया तो पुलिसवालों ने उनकी कार को आगे भेजा। गाजियाबाद में दो कांवड़ियों की मौत गाजियाबाद में शनिवार देर रात एंबुलेंस ने बाइक और स्कूटी सवार कांवड़ियों को टक्कर मार दी।

बिहार में रोजगार मेले में उमड़ी भीड़ पर राहुल का सरकार पर हमला

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में एक रोजगार मेले में उमड़ी बेरोजगार युवकों की भारी भीड़ को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते

हुए कहा कि बिहार के युवा अब लच्छेदार बातों की फेर में आने वाले नहीं है बल्कि उन्हें रोजगार की गारंटी चाहिए और यह काम कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन ही कर सकता है। श्री गांधी ने कहा कि बेरोजगार युवकों यह भीड़ बताती है कि बिहार के काबिल युवाओं के लिए सरकार रोजगार मुहैया नहीं कराई पा रही है। बिहार का युवा भाषण नहीं रोजगार चाहता है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें रोजगार देने में विफल रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा श्महारोजगार मेला में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोजगार से अपना भविष्य चाहता है। भाजपा और नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोजगारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोजी–रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है अपना गांव, अपना परिवारश्सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ता है। बिहार के युवा कर्मठ हैं, काबिल हैं, होनहार हैं –उनकी जरूरत बस स्थानीय और सम्माननीय रोजगार है।श श्री गांधी ने कहा कि अब बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन सिर्फ आश्वासन नहीं, समाधान लेकर आया है। उन्होंने कहा श्हमारा फोकस साफ है – हुनर को हक, हर युवा को रोजगार, रुके पलायन, साथ रहे हर परिवार। इसी रास्ते बनेगा एक समृद्ध बिहार।श

पार्टी नहीं, देश पहले: थरूर

- **थरूर बोले–दूसरे दलों के साथ मिलकर काम करना चाहिए, इसे गद्दारी समझ लिया जाता है**

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और कांग्रेस के बीच श्राष्ट्र पहलेश की विचारधारा पर गहरा मतभेद उभरकर सामने आया है। थरूर का मानना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर देश की वफादारी पार्टी निष्ठा से ऊपर है, जिसे पहलगाम हमले पर उनके रुख से पार्टी में नाराजगी पैदा हुई है। वह अपने इस अटल विश्वास पर कायम हैं कि जब देश खतरे में हो तो दलीय मतभेदों को भुला देना चाहिए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कांग्रेस और सांसद शशि थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव अब खुलकर सामने आ गया है। थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को अपना अडिग रवैया दिखाया है। हाल ही में एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफ कह दिया कि चाहे जितनी आलोचना हो, वह अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के लिए सही है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर कोच्चि में एक कार्यक्रम में थे, तभी एक हाई स्कूल के छात्र ने उनसे पार्टी के साथ उनके असहज संबंधों के बारे में सवाल पूछ लिया। थरूर ने अपनी टिप्पणी का वीडियो शेयर करते हुए श्एक्सश पर लिखा, श्हालांकि मैं ऐसी राजनीतिक चर्चाओं से दूर रहता हूं, लेकिन मुझे लगा कि एक छात्र को जवाब मिलना चाहिए।श उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, श्दुर्भाग्य से, या जैसे भी कह लें, किसी भी लोकतंत्र में राजनीति हमेशा प्रतिस्पर्धा पर आधारित होती है। जब मेरे जैसे लोग कहते हैं कि हम अपनी पार्टियों का सम्मान करते हैं, हमारे कुछ ऐसे मूल्य और विश्वास हैं जो हमें अपनी पार्टियों में बनाए रखते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हमें दूसरी पार्टियों के साथ भी सहयोग करने की जरूरत है – जैसा कि आपने पूछा – तो कभी–कभी पार्टियों को लगता है कि यह उनके प्रति बेवफाई है। और यह एक बडी समस्या बन जाती है।श उन्होंने यह बात अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा उन पर निशाना साधने का जिक्र करते हुए कही। थरूर ने आगे कहा, श्आपकी पहली वफादारी किसके प्रति है? मेरे हिसाब से, राष्ट्र सबसे ऊपर है। पार्टियां राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक जरिया हैं। इसलिए, मेरे विचार में, आप जिस भी पार्टी से हों, उस पार्टी का मकसद अपने तरीके से एक बेहतर भारत बनाना है।

श उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टियों को इस बात पर असहमत होने का पूरा अधिकार है कि बेहतर भारत

बनाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। श्हममें से कुछ ज्यादा पूंजीवाद की बात कर सकते हैं। कुछ लोग ज्यादा समाजवाद की बात कर सकते हैं। कुछ लोग कुछ खास तरह के नियमों के पक्ष में हो सकते हैं। कुछ लोग ज्यादा नियम–कायदों के खिलाफ भी हो सकते हैं। तो आपके अलग–अलग विचार हो सकते हैं। यह ठीक है। लेकिन आखिर में, हम सभी को एक बेहतर भारत, एक सुरक्षित भारत, एक ऐसे भारत के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिसकी सीमाएं सुरक्षित हों, जिसका भूभाग सुरक्षित हो, और जिसके लोगों की भलाई सुनिश्चित हो सके। और यही मेरी प्रतिबद्धता है।श थरूर यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा, श्और अगर हम इस आदर्श को अपनाते हैं, तो यही भावना सभी दलों में होनी चाहिए।

यूपी पुलिस का अलर्ट!

कांवड़ यात्रा में डीजे, त्रिशूल और बिना साइलेंसर बाइक बैन

लखनऊ। सावन के महीने में निकलने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर इस बार यूपी पुलिस ने सख्ती दिखाने का फैसला किया है। यात्रा में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए खास तौर पर मेरठ जोन और अन्य जिलों में कांवड़ियों पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। इन चीजों पर पूरी तरह बैनरू – त्रिशूल, डंडा, हॉकी स्टिक या कोई भी हथियारनुमा चीज – बिना साइलेंसर वाली बाइक – तेज आवाज में डीजे बजाना और हुड़दंग मचाना कहां लागू होंगे ये नियम?ये नियम खासतौर पर उन जिलों में लागू होंगे जहां बड़ी संख्या में कांवड़िए आते हैं, जैसेरू – मेरठ – मुजफ्फरनगर – शामली – सहारनपुर – बुलंदशहर – हापुड़ – बागपत सख्ती क्यों? पिछले कुछ सालों में कांवड़ यात्रा के दौरान कई जगहों पर हिंसक घटनाएं, सड़क पर हुड़दंग और सामान्य लोगों को परेशान करने की शिकायतें मिली हैं। कई कांवड़िए धार्मिक यात्रा को शक्ति प्रदर्शन में बदल

देते हैं कृ तेज डीजे, झगड़े, मोटरसाइकिल रेसिंग और सड़क पर उत्पात आम हो गया है। इसीलिए अब पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का फैसला किया है। एडीजी मेरठ ने क्या कहा? एडीजी (मेरठ जोन) भानु भास्कर ने कहा कि कोई भी कांवड़िया त्रिशूल, डंडा या हॉकी स्टिक जैसे प्रतीकात्मक हथियार भी लेकर नहीं चलेगा। अगर किसी ने नियम तोड़ा तो FIR दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना साइलेंसर बाइक पर रोक पिछले वर्षों में देखा गया है कि कुछ कांवड़िए बिना साइलेंसर की बाइक लेकर तेज आवाज में चलते हैं, जिससे ध्वनि प्रदूषण और लोगों को परेशानी होती है। अब ऐसे वाहनों पर चालान और जरूरत पड़ी तो वाहन जब्त भी किया जाएगा। सुरक्षा के खास इंतजाम – यात्रा रूट पर ड्रोन से निगरानी – CCTV कैमरे हर संवेदनशील जगह पर – PAC और RAF की टीम तैनात – हर जिले में प्रशासन और पुलिस की सतर्क निगरानी प्रशासन की अपील प्रशासन ने सभी शिवभक्तों और कांवड़ यात्रा आयोजकों से अपील की है कि – शांतिपूर्वक यात्रा करें – नियमों का पालन करें – किसी भी तरह के विवाद या कानून तोड़ने से बचें – प्रशासन का सहयोग करें उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर टिकट खरीदने को लेकर हुए विवाद के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान पर हमला करने के आरोप में तीन कांवड़ियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। राजकीय रिलवे पुलिस (जीआरपी) के निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि सीआरपीएफ का जवान ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने जा रहा था और कांवड़िये भी बैजनाथ धाम जाने के लिए उसी ट्रेन का टिकट खरीदना चाहते थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान टिकट खरीदने को लेकर उनके बीच बहस हो गई। सिंह ने बताया कि मौके पर तैनात जीआरपी जवानों ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, तथा थाने से और बल भेजा गया एवं सीआरपीएफ जवान को बचाया गया। उन्होंने बताया कि कांवड़ियों को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। जीआरपी ने कांवड़ियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। जीआरपी ने बताया कि बाद में कांवड़ियों को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

लखनऊ में शूटिंग कर उत्साहित है साउथ के कलाकार

लखनऊ,(यूएनएस)। साउथ की प्रसिद्ध फिल्म केजीएफ सीरिज के डायलॉग राइटर जुड़े राइटर चंद्रमौली की बतौर निर्देशक, बीके फिल्म की मूवी टाइगर सफारी की शूटिंग लखनऊ में जारी है। फिल्म के लाइन प्रोड्यूसर संतोष वर्मा ने बताया कि गैंगस्टर पृष्टभूमि पर आधारित इस फिल्म साउथ इंडिया के लगभग 100 लोग की टीम के साथ विगत 2 जुलाई से लखनऊ के विभिन्न स्थानों पर शूटिंग जारी है। शनिवार को कैसरबाग के महमूदाबाद हाउस में शूटिंग के दौरान संतोष वर्मा ने बताया कि इस फिल्म में मुख्य भूमिका में अभिनेता शिथिल पुजारी और अभिनेत्री निमिका रत्नाकर के डांसिंग स्टार धर्मेश साथ साथ साउथ के ही सुशान्त पुजारी, अच्युत कुमार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। सभी कलाकार लखनऊ में शूटिंग कर के बड़े ही उत्साहित है। यहाँ की मेहमान नवाजी से खुश होकर प्रोडूसर विनोद कुमार म्यूजिक डायरेक्टर सचिन बसरूर, म्यूजिक प्रिया माली और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर किशोर कुमार ने अपने अनुभव साझा किया। लखनऊ में शूटिंग के दौरान बहुत सारे कलाकरो को कास्ट करने वाली मनाल अकील श्समरीनश और प्रोजेक्ट डिजाइनर सोनिया ने बताया शूटिंग के दौरान साउथ के कलाकारों का व्यवहार तारीफ के काबिल रहा। सोनिया ने बताया कि लोकल सपोर्ट के लिए सभी कलाकार सराहना के योग्य है और उन सब की भूमिका भी सराहनीय रही है।

यूपी में उपभोक्ताओं को लग सकता है बड़ा झटका, 30% तक बढ़ सकती है बिजली दरें

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। प्रदेश में बिजली की दरों में 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। नियामक आयोग उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (यूपीईआरसी) 21 जुलाई को लखनऊ में इस संबंध में जनसुनवाई करेगा। इसके बाद 25 जुलाई को राज्य ऊर्जा सलाहकार समिति की बैठक प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि अगस्त के पहले सप्ताह में नई दरों की घोषणा हो सकती है। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीईआरसी) और इसकी वितरण कंपनियों ने चालू वित्तीय वर्ष में करीब 19,600 करोड़ रुपये के घाटे का हवाला देते हुए बिजली दरों में वृद्धि की मांग की है। कंपनियों ने एनुअल रेवेन्यू रिक्वायरमेंट (एआरआर) में घाटा दिखाकर दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव पेश किया है। इस समय नियामक आयोग द्वारा एआरआर और दर संशोधन के प्रस्तावों पर सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। आयोग जनसुनवाई में उपभोक्ताओं के सुझाव और आपत्तियां भी दर्ज करेगा। इसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। अगर प्रस्तावित 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी लागू होती है तो घरेलू, व्यवसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ेगा। पहले से ही महंगाई से परेशान जनता को बिजली बिल में भी झटका लगना तय माना जा रहा है।

यूपी के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, अब नहीं मांगे जाएंगे गैरजरूरी कागज, निर्देश जारी

लखनऊ। बिजली उपभोक्ताओं को अब किसी भी शिकायत पर कागज नहीं दिखाने पड़ेंगे। विभाग खुद अपने रिकॉर्ड से डिटेल निकालकर समस्या का समाधान करेगा। इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। कारपोरेशन के अध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि अब किसी भी प्रकार की बिजली संबंधी सेवा शिकायत पर उपभोक्ताओं से अनावश्यक दस्तावेज नहीं मांगे जाएंगे। केवल चेन्ज ऑफ टाइटल (नामांतरण) प्रक्रिया को छोड़ अन्य सभी कार्य विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर ही निपटाए जाएंगे। विभाग खुद अपने रिकॉर्ड्स से समाधान निकाले कारपोरेशन की समीक्षा बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया, जिसमें मुख्य अभियंता, निदेशक एवं प्रबंध निदेशक समेत वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। सभी ने इस नीति को उपभोक्ता हित में जरूरी और समयानुकूल बताया। अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने बैठक में कहा कि उपभोक्ताओं को अक्सर बिजली कार्यालय में शिकायत लेकर जाने पर पुराने कागजों की मांग की जाती है, जो तत्काल उपलब्ध न होने की स्थिति में उन्हें बार–बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। यह व्यवस्था अब समाप्त की जाए। विभाग खुद अपने रिकॉर्ड्स से समाधान निकाले। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि निगम की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि उपभोक्ता की समस्याएं कम से कम प्रयास में हल हों। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को 1912 उपभोक्ता सेवा नंबर पर आने वाली शिकायतों की नियमित मॉनीटरिंग के निर्देश दिए ताकि कोई मामला लंबित न रहे। बिल सुधार कैम्प 21 एवं 22 जुलाई को भी लगेंगे बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु गलत बिल को ठीक करने के लिये चल रहे मेगा कैम्प 21 एवं 22 जुलाई को भी लगेंगे। कैम्पों की सुविधा शनिवार को खत्म हो रही थी लेकिन कैम्पों में उपभोक्ताओं की भागीदारी को देखते हुये कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल ने इसे सोमवार एवं मंगलवार।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

भाजपा के शासन में देश में अनुशासित सरकार है और देश प्रगति के पथ पर है - डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा

हिमालयन विश्वविद्यालय से डि लिट् की उपाधि मिलने पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा का सादाबाद में हुआ स्वागत

(भव्य प्रभात)
सादाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा को समाजसेवा, संगठनात्मक कौशल और राष्ट्र निर्माण में सतत योगदान के लिए हिमालयन विश्वविद्यालय अरूणाचल प्रदेश द्वारा मानद उपाधि डी लिट् प्रदान की गई। इस विशिष्ट उपलब्धि पर रविवार को सादाबाद के आगरा रोड स्थित सेंट विवेकानंद पब्लिक स्कूल में स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपाइयों ने डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा को फूल मालाओं, स्मृति चिन्ह और अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया।

स्कूल के डायरेक्टर रामेश्वर सिंह जैसवाल ने कहा कि यह उपाधि मिलना न केवल जीवन समर्पण का सम्मान है, अपितु समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी है। डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा 1982 से प्रचारक जीवन का आरंभ कर देश के विभिन्न प्रांतों में शिक्षा, राष्ट्र रक्षा और सांस्कृतिक चेतना हेतु कार्य किए हैं, वह अनुकरणीय हैं। उन्होने अभिनंदन पत्र देकर प्रदेश उपाध्यक्ष का स्वागत किया। कार्यकम में मंचासीन सादाबाद विधायक प्रदीप सिंह उर्फ गुड्डू चौधरी, चेयरमैन हेमलता अग्रवाल, डॉ. महेंद्रपाल शर्मा का भी स्मृति चिन्ह भेंट कर व पटका पहनाकर फूलमालाओं से स्वागत किया गया। सादाबाद विधायक गुड्डू चौधरी ने कहा कि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में चले विभिन्न आंदोलनों और शैक्षिक प्रयासों ने न केवल युवाओं को दिशा दी, बल्कि राष्ट्र को सुरक्षा व संस्कार का संदेश दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार में हमारा देश विकास के पथ पर अग्रसर है। जल्द ही भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। देश में अनुशासित सरकार है और देश प्रगति के पथ पर है। संचालन सुधीर गर्ग ने किया। इस मौके पर चेयरमैन राधारमन अग्रवाल, सुरेंद्र पाराशर एडवोकेट, अनिल दीक्षित एडवोकेट, डॉ. देवचंद्र गौड, दाऊदयाल अग्रवाल, विश्वबंधु पाराशर, अशोक चौधरी, अनिल पाराशर, अंकुश गौड, सोमप्रकाश वार्ष्णेय, सुनील गौतम, राजेंद्र अग्रवाल एडवोकेट, धर्मेंद्र गौतम, प्रीति चौधरी, दिनेश शाह, चंद्रकांत बघौतिया, डॉ. तरूण शर्मा, विनय अग्रवाल, विष्णु वार्ष्णेय, राकेश वर्मा, अमित चौधरी, बबलू गौतम, तपन जौहर, चरन सिंह सागर, भूरी, दीपक दीक्षित एडवोकेट, देवेंद्र राजपूत, नितिन शर्मा, राजू जैसवाल, विट्ठल गर्ग, हेमंत गौतम सहित अन्य काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बेस्ट परफॉर्मर पंचायत बनी सादाबाद ब्लाक की ग्राम पंचायत मई

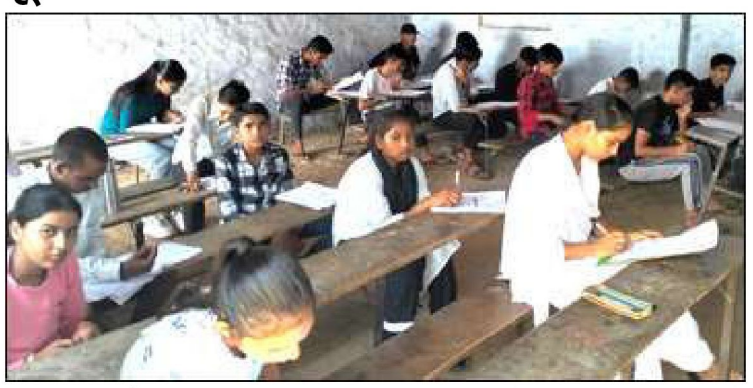

● पंचायत विकास सूचकांक (पीडीआई) स्कोरकार्ड से मापा गया पंचायतों का प्रदर्शन

(भव्य प्रभात)
सादाबाद। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत विकासखंड सादाबाद के सभागार में सादाबाद के ग्राम प्रधान, सचिव और पंचायत सहायकों का एकदिवसीय प्रषिक्षण का पंचायत विकास सूचकांक 2.0 विशय पर विकासखंड सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण की शुरूआत जिला परियोजना प्रबंधक गौरव जैन, अजीत सिंह, एडीओ पंचायत रामकिषन सिंह ने की गई। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर विश्णु पचौरी, कुंदन सैनी और सुनील कुमार द्वारा पंचायत विकास सूचकांक, सतत विकास लक्ष्यओं का स्थानीयकरण, ट्रेनिंग मैनेजमेंट पोर्टल आदि विशयों पर प्रषिक्षण प्रदान किया गया। प्रषिक्षण के दौरान पिछले पंचायत विकास सूचकांक का स्कोर कार्ड भी दिखाया गया, जिसमें सादाबाद विकासखंड की ग्राम पंचायत मई को बाल हितैषी व सुशासन वाली पंचायत विषय पर जिला स्तर पर बेस्ट परफॉर्मर पंचायत चुना गया। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत रहपुरा को आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा पंचायत, करकोली को पर्याप्त जल युक्त पंचायत तथा ग्राम पंचायत जैतई व मड़नई को अन्य विषयों पर अव्वल चुना गया। एडीओ पंचायत रामकिशन सिंह ने बताया कि पंचायत विकास सूचकांक (पीडीआई) एक स्कोरकार्ड है जो पंचायतों के प्रदर्षन को मापता है। यह सूचकांक पंचायतों को उनके समग्र विकास, सामाजिक–आर्थिक संकेतकों और मापदंडों के आधार पर रैंकिंग प्रदान करता है, जिससे उनके प्रदर्षन का मूल्यांकन किया जा सके। मौके पर ग्राम प्रधान महाराज सिंह, श्यामवीर सिंह, रूपेंद्र सिंह नंबरदार, कन्हैयालाल सहित कई अन्य ग्राम प्रधान मौजूद थे।

सनातन धर्म और हिंदुत्व को करेंगे मजबूत- लायक सिंह

● विश्व हिंदू महाशक्ति संघ के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष लायक सिंह का सादाबाद में हुआ स्वागत

(भव्य प्रभात)
सादाबाद। विश्व हिंदू महाशक्ति संघ का प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सादाबाद क्षेत्र के गांव मई नगरिया निवासी लायक सिंह का सादाबाद में कई स्थानों पर स्वागत और सम्मान किया गया। लायक सिंह ने कहा कि संगठन द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उसका ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करेंगे। सनातन धर्म और हिंदुत्व को मजबूती प्रदान करने के लिए ईमानदार, कर्मठता, सक्रियता के साथ काम करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष लायक सिंह ने सादाबाद में चौधरी चरण सिंह के प्रतिमा स्थल पर सैंकड़ों कार्यकर्ताओं व सहयोगियों के साथ पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके पर प्रेमवीर सिंह, राजकुमार प्रधान, कर्मवीर सिंह, जमुना प्रसाद, सूरज, धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य काफी लोग मौजूद रहे।

२२८ छात्र छात्राओं ने दी प्रतियोगी परीक्षा, पूछे गए सरकारी योजनाओं से संबंधित सवाल

समाजसेवी प्रवीन कुमार पौनियाँ द्वारा शिक्षा प्रोत्साहन अभियान के तहत किया गया प्रतियोगिता का आयोजन

(भव्य प्रभात)
सादाबाद। रालोद नेता एवं समाजसेवी प्रवीन कुमार पौनियाँ द्वारा षिक्षा प्रोत्साहन अभियान के तहत ग्राम पंचायत–मढ़ा पिथू, मढ़ाभोज, पट्टी बहराम, नगला कली, और खोंड़ा के 9 वीं कक्षा से 12 वीं कक्षा के छात्र–छात्राओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन एल आर के गौतम इण्टर कॉलेज, मढ़ाका में किया गया। प्रतियोगिता में 228 छात्र छात्राओं ने सहभागिता की।

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी एवं सरकारी योजनाओं के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए किया गया था। परीक्षा में कुल 50 बहुविकल्पीय प्रष्न पूछे गए थे जिसमें से 35 प्रष्न पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी से सम्बन्धित एवं 15 प्रष्न युवाओं, महिलाओं, मजदूरों, कारीगरों,और किसानों से संबंधित सरकारी योजनाओं से थे। प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को क्रमष 2100 रुपये, 1500 और 1100 रुपये का नगद पुरस्कार दिया जायेगा। 15 अन्य अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कार के रूप में चौधरी चरण सिंह द्वारा लिखित पुस्तक षिष्टाचार१,एक बैग,एक ज्योमेट्री बॉक्स,एक लंच बॉक्स,और तीन नोटबुक प्रदान की जाएगी। पुरस्कार वितरण समारोह एल आर के गौतम इण्टर कॉलेज, मढ़ाका में दो अगस्त 2025 को होगा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधक ललित गौतम, प्रधानाचार्य नवीन गौतम, विनोद कुमार ठेनुआ, नीतू कुमारी, सोनम कौषिक, रवि चौधरी,कन्हैया लाल, सुभाश चंद्र ,सतीष गावर और विश्णु गावर आदि का सराहनीय योगदान रहा।

बारिश में हमलावर हो रहे सर्प, सादाबाद में पांच लोग हुए सर्पदंष का शिकार

सादाबाद। श्रावण माह में आए दिन हो रही बारिश से सर्प अपने बिल से बाहर निकल आए हैं। शनिवार और रविवार को दो दिन में पांच लोग सर्पदंश का शिकार हो गए। इन सर्पदंश पीड़ितों को सादाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां इनको एंटी स्नैक वेनम दवा देकर उपचार किया गया।
जानकारी के मुताबिक, गांव नगला कली निवासी 86 वर्षीय चंद्रपाल गौतम पुत्र पलटूराम गौतम को घर पर सर्प ने डंस लिया। गांव नगला चौधरी सादाबाद निवासी 22 वर्षीय वीकेश पुत्र निहाल सिंह जब गांव के अन्य बच्चों के साथ गांव में किकेट खेल रहा था तो इसी दौरान उसे एक सर्प ने डंस लिया। गांव मड़नई में 48 वर्षीय मलूकी बेगम पत्नी स्वराज खान को उस समय सर्प ने डंस लिया, जब वह दूध काढ़ने का कार्य कर रही थीं। गांव नगला जगराम में रविवार को 17 वर्षीय काजल पचौरी पुत्री जयपाल को खेत पर सर्प ने उंगली में डंस लिया। 25 वर्षीय नरेश कुमार पुत्र उद्यम सिंह को भी शनिवार की शाम को खेत पर सर्प ने डंस लिया। नरेश को छोडकर अन्य सभी को उपचार के लिए सादाबाद सीएचसी पर लाया गया, जहां इनका उपचार किया गया।

बसपा ने कई गांव में बनाई बूथ कमेटी

सादाबाद। बहुजन समाज पार्टी विधानसभा क्षेत्र सादाबाद के तत्वावधान में चलाए जा रहे बूथ कमेटी बनाओ अभियान के अन्तर्गत ग्राम मढ़ापिथू, नगला कली, पट्टी बहराम आदि में बूथों पर पहुंचकर बूथ कमेटी बनाई गई। बूथ कमेटी के दौरान बहुजन समाज पार्टी विधानसभा क्षेत्र सादाबाद के अध्यक्ष राज बहादुर सिंह, रवींद्र कुमार दिवाकर, लाखन सिंह चक, मनोहर लाल माहौर, प्रमोद कुमार आजाद आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

जान से मारने की नीयत से किया फायर, रिपोर्ट दर्ज

सादाबाद। गांव नगला सकत सिंह निवासी कारे सिंह पुत्र भगवान सिंह ने सादाबाद कोतवाली में गांव निवासी प्रेममुख और जितेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में आरोप है कि 20 जुलाई को सुबह करीब आठ बजे उसके गांव के उक्त नामजदों ने पुरानी रंजिश को लेकर उसके घर पर आकर गाली गलौज की। मना करने पर जितेद्रं ने प्रेममुख से कहा कि आज इसे गोली मार दो। प्रेममुख ने अपने हाथ में लगे देशी पौनिया से उसके ऊपर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया, लेकिन उसने दीवार की आड़ लेकर अपनी जान बचाई, जिससे वह बाल बाल बचा, जिसकी वीडियो भी उसके पास मौजूद है।

रायबरेली में दलित बस्ती की सड़क का निरीक्षण

पूर्व विधायक ने बारिश में किया दौरा, 24 घंटे में शुरू कराया काम

लालगंज (रायबरेली), रायबरेली। हरचंदपुर के पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह ने सावन मास के पहले दिन क्षेत्रीय जनता की सेवा का संकल्प लिया। इस संकल्प को पूरा करते हुए 14 जुलाई को उन्होंने बेहटा सातनपुर की दलित बस्ती में जर्जर सड़क का निरीक्षण किया।ग्रामीणों की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्होंने 24 घंटे के भीतर इंटरलॉकिंग का काम शुरू करा दिया। 17 जुलाई को तेज बारिश के बावजूद वे ऐंधी, दृग्पालगंज और डंडनपुर का दौरा करने पहुंचे। बिना छाते के कीचड़ भरी गलियों का जायजा लिया और अधिकारियों को तुरंत इंटरलॉकिंग और आरसीसी सड़क निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने उनके इस कार्य की सराहना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि जब अन्य नेता घर में बैठे थे, तब राकेश सिंह बारिश में उनकी समस्याएं देख रहे थे। बुजुर्ग महिलाओं ने कहा कि सड़क बनने से स्कूल और बाजार जाना आसान हो जाएगा। राकेश सिंह ने बताया कि गरीब और दलित बस्तियों को कीचड़ से मुक्ति दिलाना उनकी प्राथमिकता है। पहले चरण में गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ा गया था। अब अंदरूनी गलियों को पक्का किया जाएगा। उन्होंने लोगों से खराब सड़कों की सूचना देने की अपील की है। क्षेत्र में उनकी सक्रियता से लोगों में उम्मीद जगी है कि बारिश अब समस्या नहीं रहेगी।लोगों में आक्रोश जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हुआ, लोगों में भारी आक्रोश फैल गया. हजारों की संख्या में लोगों ने इसे शेयर किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. वीडियो में दिख रही गुंडागर्दी और जातिगत उत्पीड़न ने प्रशासन को भी हरकत में ला दिया. जानकारी मिलते ही कलवारी थाना पुलिस ने तत्काल संज्ञान लिया. पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने दबंगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराओं के तहत थ्त दर्ज कर ली है।

व्यापार मंडल प्रवक्ता और मीडिया से जुड़े मोहम्मद परवेज का जन्म दिवस पर हुआ स्वागत सम्मान

लालगंजरायबरेली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रवक्ता और आल मीडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद परवेज का जन्म दिवस के अवसर पर स्वागत सम्मान हुआ है। मीडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुशील शुक्ला, महासचिव देवेश अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष अतुल त्रिपाठी, व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेकशर्मा, जिला अध्यक्ष रोहित सोनी, प्रदेश मंत्री मृत्युंजय बाजपेई,जिला महामंत्री अप्पूशर्मा, व्यापार मंडल के महामंत्री शिवम गुप्ता ,कौशलेंद्र कंचन आदि संभ्रांत लोगों ने मोहम्मद परवेज का माल्यार्पण करते हुए अंग वस्त्र प्रदान कर जोरदार स्वागत किया। मीडिया संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुशील शुक्ला , महासचिव देवेश अग्निहोत्री और व्यापार मंडल के नगर महामंत्री शिवम गुप्ता ने कहा कि मोहम्मद परवेज व्यापारी हितों के साथ–साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में सदैव अग्रसर भूमिका निभाते हैं। व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा और जिला अध्यक्ष रोहित सोनी सहित अप्पू शर्मा ,मृत्युंजय बाजपेईने कहा कि मिलनसार व्यक्तित्व के धनी मोहम्मद परवेज बहुत ही नेक इंसान है। उनके व्यक्तित्व की सराहना करते हुए दीर्घायु होने की कामना की है।

आबकारी विभाग ने 330 किलोग्राम महुआ लहन नष्ट कराया, पांच पर की कार्रवाई

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह के कुशल मार्गदर्शन मे अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत आबकारी निरीक्षक अखिलेश कुमार, रोबिन आर्य एवं संबंधित थाने की पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना गुरूबक्शगंज, शिवगढ़ एवं खीरो में विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा थाना शिवगढ़ के अन्तर्गत हरिहरपुर, ओसाह तथा थाना गुरुबक्शगंज के अन्तर्गत बसीगवा एव थाना खीरो के अंतर्गत शेमरी कछियारा, कमालपुर में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों ध संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 80 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 330 किलोग्राम महुआ लहन बरामद कर मौके पर नष्ट करते हुए 05 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए।जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

कहानी, कविता एवं निबंध प्रतियोगिता हेतु प्रस्ताव आमंत्रित, अंतिम तिथि 01 सितम्बर

रायबरेली। युवा रचनाकारों (18 से 30 वर्ष) को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा कहानीध्कविताधनिबंध प्रतियोगिता हेतु प्रविष्टियां आमंत्रित हैं। कहानीध्कविताधनिबंध तीन प्रतियों में कम्प्यूटर टाइप ए4 आकार में भेजनी होगी। कहानी अधिकतम 2500 शब्द व कविता अधिकतम 500 शब्द (एक ओर टंकित) हो। निबंध 'भारतीय संस्कृति और कुम्भ' विषय पर केन्द्रित होगा, जो अधिकतम 2500 शब्द का (एक ओर टंकित) होगा। कहानीध्कविता भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित होनी चाहिए। कहानीध्कविताधनिबंध पर शीर्षक के अतिरिक्त लेखक का नाम व पता अंकित नहीं होना चाहिए। अलग पृष्ठ पर कहानीध्कविताधनिबंध के शीर्षक के साथ प्रतिभागी का नाम, पता, दूरभाष संख्या सहित हाईस्कूल प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। पूर्व में पुरस्कृत रचनाकार की प्रविष्टि उसी विधा में स्वीकार नहीं की जायेगी। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 01 सितम्बर, 2025 है। प्रविष्टियाँ निदेशक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन हिंदी भवन, 6–महात्मा गांधी मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ–226001 के पते पर भेजी जायेंगी। प्रविष्टि के लिफाफे पर कहानीध्कविताध्निबंध प्रतियोगिता लिखना अनिवार्य है। यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश के युवा रचनाकारों के लिए है। जिसमें प्रथम पुरस्कार– रुपये 7000, द्वितीय पुरस्कार रुपये 5,000, तृतीय पुरस्कार रुपये 4,000, सांत्वना पुरस्कार (संख्या–दो) रुपये 2,000 है।

बलेनो कार ने बाइक को मारी टक्कर,कंपनी कर्मी की मौत, दूसरा गंभीर

नोएडा,(यूएनएस)। दनकौर– सिकंदराबाद रोड पर खेरली नहर के पास एक बलेनो कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दो कंपनी कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

बरसात के बावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा लालगंज की सड़कों में कराया जा रहा पैचिंग का काम

लालगंजरायबरेली। लालगंज नगर की व्यस्ततम सड़क गोविंदपुर वलौली न्यू बाईपास से लेकर सेमरपहा बाईपास तक के गड्ढों की पैचिंग का कार्य बरसात के बावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा कराया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि बरसात समाप्त होते ही गोविंदपुर वलौली से लेकर सेमर पहा तक की सड़क को पिच रोड की तरह बना दिया जाएगा। हालांकि उनका कहना है कि यह सड़क सेमर पहा, कोरिहरा,गोविंदपुर वलौली, दतौली आदि ग्राम सभाओं से जुड़ी हुई है और सड़क के किनारे पानी निकलने के लिए नाली का निर्माण नहीं हुआ है। ग्राम पंचायत के द्वारा पक्की नाली का निर्माण न कराये जाने से लोगों के घरों का पानी सड़क पर ही आता है जिसके कारण सड़क बनते ही ध वस्त होने लगती है। वहीं रेलवे पुल के टूट जाने के चलते ओवरलोड वाहन नगर के अंदर से निकलते हैं जिसके कारण भी सड़क बड़ी जल्दी खराब हो जाती है। वास्तव में यह सड़क पहले नेशनल हाईवे के अंडर में थी। लेकिन लालगंज के बाहर से बाईपास निकालने के चलते एन एच के अधिकारियों ने इस सड़क की मरम्मत नहीं कराई थी। लगातार लोगों के द्वारा शिकायत होने पर नेशनल हाईवे ने इस लगभग 5 किलोमीटर मार्ग को पीडब्ल्यूडी को 2018 –19 में हैंडओवर कर दी थी। तब से कई बार पीडब्ल्यूडी विभाग सड़क का निर्माण करा चुकी है लेकिन सड़क पर पानी बहने और ओवर लोड वाहनों के चलते सड़क दुरुस्त नहीं रह पाती है।

19 अगस्त से 29 सितम्बर तक बी0एल0ओ0 घर–घर जाकर करेंगे गणना व सर्वे का कार्यः डीएम

रायबरेली। मा० राज्य निर्वाचन आयोग, उ०प्र०, लखनऊ की अधिसूचना (संशोधन) के क्रम में जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) हर्षिता माथुर ने निर्देश दिये है कि जनपद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का संशोधित समय सारिणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण किया जायेगा। संशोधित तिथि के अनुसार 18 जुलाई से 18 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिंट करने की कार्यवाही बी0एल0ओ0 एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन। जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) हर्षिता माथुर ने बताया है कि 19 अगस्त से 29 सितम्बर तक जनपद स्तर पर बी0एल0ओ0 द्वारा घर–घर जाकर गणना और सर्वेक्षण। 19 अगस्त से 22 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन, 23 सितम्बर से 29 सितम्बर तक ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर–घर जाकर जांच। 30 सितम्बर से 06 अक्टूबर तक निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन को तैयार करना। 07 अक्टूबर से 24 नवम्बर तक ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना। 25 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्रध्स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग। 05 दिसम्बर 2025 अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन निर्धारित है। 6 दिसम्बर से 12 दिसम्बर 2025 तक आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण एवं दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करना। 13 दिसंबर से 19 दिसम्बर तक दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण। 20 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक दावेध्आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पांडुलिपि तैयार करना। 24 दिसम्बर से 08 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी एवं उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही। 09 जनवरी से 14 जनवरी तक पूरक सूचियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्रध्स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग। 15 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन। जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने निर्देश दिये है कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)।

रामायण ज्ञान क्विज प्रतियोगिता में ४०० छात्रों लिया भाग

नि:स्वार्थ सेवा संस्थान ने कराया रामायण ज्ञान प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। निःस्वार्थ सेवा संस्थान द्वारा आयोजित रामायण ज्ञान क्विज प्रतियोगिता सीजन 2 का भव्य आयोजन आज हाथरस के बीएलएस इंटरनेशनल स्कूल में अत्यंत उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में हाथरस एवं आसपास के क्षेत्रों के 20 विद्यालयों के लगभग 400 छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं श्रीराम के उद्घोष के साथ हुई। क्विज के लिए चयनित 10 टीमों के बीच ज्ञान और विश्वास का रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। प्रतियोगिता के प्रश्न रामायण के विविध प्रसंगों, चरित्रों, और शिक्षाओं पर आधारित थे, जो छात्रों में धार्मिक व सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने के उद्देश्य से तैयार किए गए थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रचारक जय किशोर जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनील अग्रवाल हुंडी वाले , लोकेश सिंघल,शुभम मित्तल रहे। प्रतियोगिता के अंत में तीन विजेता टीमों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया प्रथम स्थान 11000 रूपये टीम शबरी रुद्रांश वर्मा , बागला इंटर कॉलेज, एवं मोहित यादव , सरस्वती इंटर कॉलेज, हाथरस द्वितीय स्थान 5100 रूपये टीम हनुमान देव सिसोदिया एवं कार्तिक मित्तल संत फ्रांसिस इंटर कॉलेज, हाथरस तृतीय स्थान 2100 रूपये टीम जामवंत प्रद्युम्न कृष्ण संत फ्रांसिस इंटर कॉलेज, एवं ऋत्विका भट्ट बीएलएस इंटरनेशनल हाथरस रहे विजेता टीमों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

इस आयोजन में मीडिया प्रतिनिधियों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

संस्थान के अध्यक्ष श्री सुनील अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं धर्मग्रंथों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने सभी प्रतिभागी छात्रों, शिक्षकों और आयोजन टीम को सफल कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया इस अवसर पर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, सचिव नीरज गोयल , कोषाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी सीए प्रतीक अग्रवाल , प्रवक्ता हिमांशु गौड़ , कॉर्डिनेटर चंद्र प्रकाश अग्रवाल , सोशल मीडिया प्रभारी सारांश टालीवाल, सह सचिव तरूण राघव , सह सचिव निश्कर्ष गर्ग , लोकेश सिंघल, ध्रुव कोठीवाल, डॉ रंगेश शर्मा , सतेंद्र मोहन , स्वदेश वार्ष्णेय, अवधेश कुमार बंटी, दीपांशु वार्ष्णेय, मयंक ठाकुर ,विशाल सोनी, सुलभ गर्ग,सौरभ शर्मा, यश वार्ष्णेय , संदीप गोयल , सुनील कुमार , आशीष अग्रवाल , अतीश अग्रवाल, एवं बीएलएस इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल विद्या प्रतीक बरतकके, शशि शर्मा एवं अन्य उपस्थित रहे ।

अपना घर आश्रम कार्यकारिणी की बैठक में आगामी कार्य योजना पर हुई चर्चा

(भव्य प्रभात)

हाथरस। अपना घर आश्रम कार्यकारिणी की बैठक आज अपना घर आश्रम प्रांगण केमार रोड पर अध्यक्ष दिलीप पोद्दार एडवोकेट की अध्यक्षता में एवं सचिव चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के संचालन में हुई कोषाध्यक्ष राकेश कुमार अग्रवाल ने विगत आय व्यय का व्योरा प्रस्तुत किया तो वहीं आगामी कार्य योजना की रणनीति को लेकर सभी से सुझाव लिए गए। आश्रम में 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक आचार्य पार्वती वल्लभ जी महाराज के द्वारा होने वाली भागवत कथा को अभूतपूर्व किए जाने की कार्य योजना पर भी पदाधिकारी से सुझाव लिए गए डॉ लक्ष्मीपति केसरिया एवं डॉ पीडी उपाध्याय द्वारा अपने सुझाव प्रस्तुत करते हुए कहा गया कि प्रत्येक पदाधिकारी प्रत्येक महीने तय करें कि वह अधिक से अधिक समाज सेवी जनों की आश्रम में विजिट करना सुनिश्चित करें। अगली बैठक में प्रत्येक पदाधिकारी के विगत कार्यों की समीक्षा हो बैठक में संस्थापक मदनलाल वार्ष्णेय,संरक्षक ओम प्रकाश गुप्ता,चमनेश राजपूत, डॉ संजीव अग्रवाल,चंद्रेश वार्ष्णेय, मनमोहन अग्रवाल,लोकेश अग्रवाल, मिथिलेश वार्ष्णेय,डॉ कपिलेश मोहन वार्ष्णेय,अनिल कुमार अग्रवाल,हरी शंकर वर्मा,संजय कुमार अग्निहोत्री, सत्येंद्र चौधरी,धनीराम आदि मौजूद थे।

मानसिक बीमारियाँ- जिन्हें समझना जरूरी है

डॉ यू एस गौड़

(वरिष्ठ होमियोपैथिक चिकित्सक)

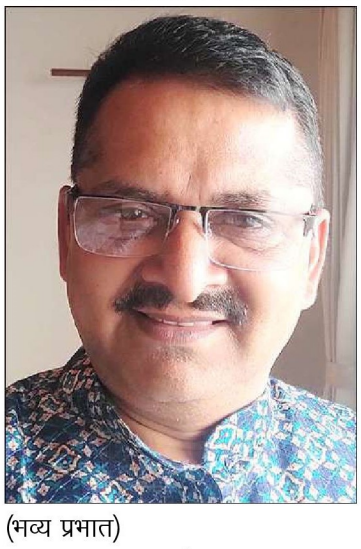

(भव्य प्रभात)

मानसिक बीमारियाँ शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो किसी भी व्यक्ति को, किसी भी उम्र में प्रभावित कर सकती हैं। शारीरिक बीमारियों की तरह ही, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उनका उचित इलाज किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य से, मानसिक बीमारियों से जुड़ा संकोच बहुधा लोगों को मदद मांगने से रोकता है, जिससे उनकी स्थिति और बिगड़ जाती है।

मानसिक बीमारियाँ क्या हैं?

मानसिक बीमारियाँ ऐसी स्वास्थ्य स्थितियाँ हैं जो व्यक्ति के विचारों, भावनाओं, व्यवहारों और निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती हैं।

ये विकार हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकते हैं और व्यक्ति के दैनिक जीवन, रिश्तों और कामकाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

मानसिक बीमारियों के बारे में खुलकर बात करने से, जागरूकता फैलाने से और प्रभावित लोगों का समर्थन करने से स्वस्थ मानसिकता वोआला समाज बना सकते हैं।

कुछ सामान्य मानसिक बीमारियाँ

- अवसाद (डिप्रेशन)– जिसमें रोगी लगातार उदासी, निराशा और आनंद की कमी महसूस करता है।
- चिंता विकार (एंग्जाइटी)– इनमे, पैनिक डिसऑर्डर, सामाजिक चिंता ,स्वास्थ्य चिंता और डर शामिल हैं,इसमें रोगी अत्यधिक चिंता, घबराहट और डर का अनुभव करता है।
- बाइपोलर डिसऑर्डर– इस स्थिति में व्यक्ति के मूड में अत्यधिक उतार–चढ़ाव आते हैं, जिसमें उन्माद और अवसाद शामिल होते हैं।
- सिजोफ्रेनिया – यह एक गंभीर मानसिक विकार है जो व्यक्ति की सोच, भावनाओं और व्यवहार को विकृत करता है, जिससे मतिभ्रम और भ्रम होजाते हैं।
- ओसीडी , इसमें व्यक्ति को बार–बार ऐसे विचार आते हैं जिनसे चिंता होती है, और वह उन विचारों को शांत करने के लिए बार–बार कुछ क्रियाएँ करता है।

लक्षण और पहचान

मानसिक बीमारियों के लक्षण हर व्यक्ति में अलग–अलग हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य संकेतों में शामिल हैं–

- लगातार उदासी या चिड़चिड़ापन
- नींद में बदलाव (बहुत कम या बहुत ज़्यादा सोना)
- भूख या वजन में बदलाव
- ऊर्जा में कमी या अत्यधिक थकान
- सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाना
- आत्महत्या के विचार या खुद को नुकसान पहुँचाने की इच्छा
- ध्यान केंद्रित करने या निर्णय लेने में कठिनाई
- असामान्य विचार या भ्रम
- अत्यधिक चिंता या घबराहट

उपचार और सहायता

मानसिक बीमारियों का इलाज संभव है, और सही समय पर उपचार से व्यक्ति एक पूर्ण और उत्पादक जीवन जी सकता है।

उपचार के विकल्पों में शामिल हैं–

- मनोचिकित्सा सी बी टी काउंसलिंग द्वारा।
- मनोचिकित्सा दवाओं द्वारा
- जीवनशैली में बदलाव (Lifestyle Change)– नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार, पर्याप्त नींद, तनाव प्रबंधन तकनीको द्वारा जैसे योग, ध्यान आदि।

हमें मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही समझना चाहिए।

लौहर्रा रोड से चोरी की घटना में एक गिरफ्तार

हाथरस। वीरेन्द्र पुत्र रमेश निवासी नगला गढ़ू थाना सासनी जनपद हाथरस द्वारा थाना सासनी पर सूचना दी कि लौहर्रा रोड स्थित अपने खेत परमोटर साइकिल खडी की थी । जिसे किसी अज्ञात वाहन(मो0सा0) चोरो द्वारा चोरी कर ली गयी है । जिसके सम्बन्ध में वादी की प्राप्त लिखित तहरीर के आधार पर थाना सासनी पर सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया था । पुलिस अधीक्षक हाथरस श्री चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा उक्त घटना का सफल अनावरण करने व घटना कारित करने वाले अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना सासनी को निर्देशित किया गया था द्य जिसके क्रम में थाना सासनी पुलिस द्वारा सूचना पर कार्यवाही करते हुए 01 चोर को लौहर्रा बम्बा के पास से गिरफ्तार किया गया । जिसके कब्जे से स्पलेन्डर प्लस मोटरसाइकिल जिसका रजिस्टर्ड मोटर साइकिल बरामद हुई । अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सासनी पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

०१ अभियुक्त को २५ क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ किया गिरफ्तार

हाथरस। पुलिस अधीक्षक आदेशानुसार चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सिकन्द्राराऊ के निकट पर्यवेक्षण में थाना हाथरस जंक्शन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए 01 अभियुक्त को ग्राम ठूलई मार्ग के पास रोड से गिरफ्तार किया गया है । जिसके कब्जे से 25 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद हुई है ।

जोधपुर राजस्थान में २० व २१ दिसम्बर को होगा अंतर्राष्ट्रीय सारस्वत ब्राह्मण महासम्मेलन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। सारस्वत ब्राह्मण महासभा उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष रामेश्वर सारस्वत प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने जानकारी देते कहा मुझे यह जान बहुत खुशी हो रही है कि अंतर्राष्ट्रीय सारस्वत ब्राह्मण महासम्मेलन 20–21 दिसंबर 2025 को जोधपुर राजस्थान में आयोजित किया जा रहा हैस यह समाज के लिए श्रेष्ठ पहल है स सारस्वत ब्राह्मण महासभा उत्तर प्रदेश की अपील आप सभी स्वजाति बंधुगण, मातृशक्ति और युवा साथीगण हम सभी को यह अविस्मरणीय गौरव एवं हर्ष की अनुभूति हो रही है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शोभा देवी एवं शोभारानी दोनों ही मेरे नाम है। मुझे शोभा देवी एवं शोभारानी दोनों ही नामों से जाना व पहचाना जाता है।

शोभा देवी पत्नी श्री दिनेश कुमार पुत्री श्री पृथ्वी सिंह निवासी- बुद्धपुर ,पोस्ट अहमदगढ, डिवाई, बुलंदशहर उत्तर प्रदेश।

क्या मैनचेस्टर में भारत का 89 साल का जीत का सूखा होगा खत्म

मैनचेस्टर। भारत ने अब तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में कुल नौ टेस्ट खेले हैं। इसमें से चार टेस्ट इंग्लैंड जीतने में कामयाब रहा है, जबकि पांच टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में पांच मैचों की सीरीज का चौथा टेस्ट 23 जुलाई से खेला जाएगा। इंग्लिश टीम फिलहाल सीरीज में 2–1 से आगे है। हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में मैच जीतने के बाद बेन स्टोक्स एंड कंपनी का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। वहीं, शुभमन गिल के नेतृत्व में युवा टीम इंडिया की नजर वापसी करने पर होगी। हालांकि, भारतीय टीम के लिए वापसी आसान नहीं होगी, क्योंकि उसका सामना इंग्लैंड से एक ऐसे मैदान पर है, जहां हमने कभी कोई टेस्ट नहीं जीता। एक से एक बड़े कप्तानों के नेतृत्व में भारत ने मैनचेस्टर में टेस्ट खेला, लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। अब गिल के पास इतिहास रचने का मौका है। उनके पास सुनील गावस्कर और महेंद्र सिंह धोनी जैसे कप्तानों को पीछे छोड़ने का मौका है। भारत ने अब तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में कुल नौ टेस्ट खेले हैं। इसमें से चार टेस्ट इंग्लैंड जीतने में कामयाब रहा है, जबकि पांच टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। टीम इंडिया के पास हार और ड्रॉ के इस सिलसिले को तोड़ने का बेहतरीन मौका है और एक जीत

मैनचेस्टर में भारत का रिकॉर्ड

साल	नतीजा	कप्तान
1936	ड्रॉ	विजियानग्राम
1946	ड्रॉ	नवाब पटौदी सीनियर
1952	हार	विजय हजारे
1959	हार	दत्ता गायकवाड़
1971	ड्रॉ	अजीत वाडेकर
1974	हार	अजीत वाडेकर
1982	ड्रॉ	सुनील गावस्कर
1990	ड्रॉ	मोहम्मद अजहरुद्दीन
2014	हार	महेंद्र सिंह धोनी
2025	??????	शुभमन गिल

गावस्कर-धोनी से आगे निकल पाएंगे गिल?

सीरीज को दिलचस्प बना देगी। भारत अगर मैनचेस्टर में 2–2 से बराबरी करने में कामयाब रहता है तो इंग्लैंड के ऊपर दबाव आ जाएगा। फिर सबकुछ 31 जुलाई से केनिंग्टन ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट से तय होगा। टीम इंडिया का कुछ ऐसा ही रिकॉर्ड बर्मिंघम के एजबेस्टन में भी था, लेकिन गिल की टीम इतिहास रचने में कामयाब रही थी। अब मैनचेस्टर में एक बार फिर भारतीय टीम पूरा दमखम लगाने की कोशिश करेगी। मैनचेस्टर के मास्टर हैं जो रूट पारियां रन औसत शतक अर्धशतक 19 978 65.20 1 7 मैनचेस्टर में भारत के लिए सबसे ज्यादा।

अदिति चौहान ने किया रिटायरमेंट का ऐलान, जानें संन्यास लेने के बाद क्या बोलीं स्टार फुटबॉलर?

भारत की स्टार फुटबॉलर अदिति चौहान ने शुक्रवार, 18 जुलाई को अपने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। वहीं संन्यास के बाद अदिति ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार गेंद को किक मारी थी, तब उन्हें नहीं पता था कि भारत की नेशनल विमेंस फुटबॉल टीम भी है। अदिति ने शुक्रवार को संन्यास लेने की घोषणा की थी। वह अपने बेहतरीन करियर के दौरान यूरोप में पेशेवर फुटबॉल खेलने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने पीटीआई वीडियो से कहा कि, पहली बार फुटबॉल खेलते समय मुझे ये नहीं पता था कि कोई राष्ट्रीय टीम भी है। मैंने शौकिया तौर पर फुटबॉल खेलना शुरू किया था। जब मैंने शुरुआत की थी तो मैंने कभी सोचा नहीं था कि इस मुकाम तक पहुंचने में सफल रहूंगी। मैंने अपने करियर में जो कुछ भी हासिल किया, वह कोई सपना भी नहीं था जिसकी मैं कल्पना कर सकती थी। अदिति चौहान पूर्णकालिक कोचिंग में प्रवेश नहीं कर रही हैं, लेकिन अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को शीर्ष स्तक की फुटबॉल में अपने लक्ष्य हासिल कनरे में मदद करने के लिए तैयार हैं। भारतीय महिला टीम की पूर्व गोलकीपर अदिति ने अपने 17 साल के दौरान राष्ट्रीय टीम के साथ–साथ अपने क्लबों के लिए भी कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

देश से बढ़कर कुछ नहीं...पाकिस्तान के खिलाफ मैच से हटे शिखर धवन, एक बार फिर जीता देशवासियों का दिल

वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत और पाकिस्तान के बीच 20 जुलाई को होने वाला मैच रद्द हो गया है। बता दें कि, कुछ भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करने वाले दिग्गजों की लिस्ट में शिखर धवन का भी नाम शामिल है। उन्होंने बकायदा ईमेल करते हुए बोर्ड को सूचित किया है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करने वाले दिग्गजों की लिस्ट में शिखर धवन का भी नाम शामिल है। धवन ने बकायदा ईमेल करते हुए बोर्ड को सूचित किया कि वह पाकिस्तान के खिलाफ केवल आज ही के मुकाबले में नहीं बल्कि आगामी डब्ल्यूसीएल लीग के सभी मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। 39 वर्षाय पूर्व सलामी बल्लेबाज ने अपने ईमेल का एक स्क्रीन शॉट शेयर किया है। जिसके कैप्शन में लिखा है कि, जो कदम 11 मई को लिया, उसे आज भी वैसे ही खड़ा हूं। मेरा देश मेरे लिए सब कुछ है और देश से बढ़कर कुछ नहीं होता। बता दें कि, ईमेल के स्क्रीनशॉट में बताया गया है कि 11 मई 2025 को धवन ने सूचित किया था कि वह डब्ल्यूसीएल लीग के आगामी सीजन में पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे। यहीं नहीं ईमेल में इसके पीछे का कारण भी बताया गया था। उसमें लिखा गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और भूराजनीतिक स्थिति को लेकर ये फैसला लिया गया है।

टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर जो रूट, खतरे में जैक कैलिस और राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं। गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की जरूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी का एक्शन, गूगल और मेटा को भेजा नोटिस

जेंसी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक विशाल नेटवर्क की बारीकी से जाँच कर रही है, जिनमें से कई पर कौशल–आधारित खेलों का भेष धारण करने और वास्तव में अवैध जुए में लिप्त होने का संदेह है। माना जाता है कि इन प्लेटफॉर्म ने करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि उत्पन्न की है, जिसे अक्सर पकड़े जाने से बचने के लिए जटिल हवाला चौनलों के जरिए भेजा जाता है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामलों की जाँच के सिलसिले में तकनीकी दिग्गज गूगल और मेटा को नोटिस जारी कर उन्हें 21 जुलाई को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह कदम जाँच के एक महत्वपूर्ण विस्तार का संकेत देता है, जिसमें पहले ही कई मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों को कथित अवैध जुआ प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के आरोप में जाँच के घेरे में देखा जा चुका है। ईडी ने गूगल और मेटा दोनों पर उन सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार में सक्रिय रूप से मदद करने का आरोप लगाया है, जिनकी वर्तमान में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन सहित गंभीर वित्तीय अपराधों के लिए जाँच चल रही है। अधिकारियों का आरोप है कि इन तकनीकी कंपनियों ने प्रमुख विज्ञापन स्लॉट प्रदान किए और इन ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों से जुड़ी वेबसाइटों को अपने–अपने प्लेटफार्मों पर दृश्यता प्राप्त करने की अनुमति दी, जिससे इन अवैध गतिविधियों की व्यापक पहुँच में योगदान मिला। यह ताजा घटनाक्रम हाल के हफ्तों में ईडी द्वारा की गई कई कार्रवाइयों के बाद आया है। एजेंसी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक विशाल नेटवर्क की बारीकी से जाँच कर रही है, जिनमें से कई पर कौशल–आधारित खेलों का भेष धारण करने और वास्तव में अवैध जुए में लिप्त होने का संदेह है। माना जाता है कि इन प्लेटफॉर्म ने करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि उत्पन्न की है, जिसे अक्सर पकड़े जाने से बचने के लिए जटिल हवाला चौनलों के जरिए भेजा जाता है।पिछले हफ्ते, ईडी ने इन अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को कथित तौर पर बढ़ावा देने के आरोप में 29 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिनमें प्रमुख अभिनेता, टेलीविजन होस्ट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल हैं। प्रकाश राज, राणा दग्गुबाती और विजय देवरकोंडा जैसी हस्तियों के नाम प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) में शामिल हैं, जिन पर आरोप है कि उन्हें इन ऐप्स का प्रचार करने के लिए भारी वित्तीय मुआवजा मिला। इन मामलों में महादेव बेटिंग ऐप एक हाई–प्रोफाइल वित्तीय घोटाला है, जिसका कुल घोटाला 6,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का होने का अनुमान है। इस मामले में कई बॉलीवुड हस्तियों से पूछताछ की गई है।

गोल्ड जीतने के बाद नहीं मिले कई पुरस्कार, अरशद नदीम ने खोली पाकिस्तान की पोल

पाकिस्तान के ओलंपिक हीरो अरशद नदीम ने 2024 के पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने देश की सरकार और अधिकारियों द्वारा किए गए अधूरे वादों पर सवाल उठाए हैं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत के नीरज चोपड़ा को हराकर पाकिस्तान के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम ने खुलासा किया कि उनकी उपलब्धि के लिए इनाम के तौर पर घोषित जमीन के टुकड़े कभी नहीं दिए गए। अरशद नदीम ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की छलांग लगाकर इतिहास रच दिया और डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन द्वारा 2008 में बनाए गए ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रजत पदक जीतने वाले गत विजेता नीरज चोपड़ा पर उनकी जीत पाकिस्तान के लिए बेहद गर्व की बात थी। सरकार, राज्य के अधिकारियों और सार्वजनिक संस्थाओं ने नदीम को नकद पुरस्कार, जमीन के प्लॉट और विभिन्न सम्मानों सहित ढेरों इनाम देने का वादा किया। हालांकि, एक साल बाद, नदीम ने जियो टीवी से बात करते हुए खुलासा किया, ष्मेरे लिए जितने भी इनामों की घोषणाएँ की गईं, उनमें से सभी प्लॉट की घोषणाएँ फर्जी थीं, जो मुझे नहीं मिलीं। इसके अलावा, मुझे घोषित सभी नकद पुरस्कार मिल चुके हैं।

भव्य प्रभात

ज्ञान और प्रेम वात्सल्य से जीवन सार्थक, ब्रह्म में शिक्षा और ज्ञान की भूमिकास

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को मनुष्य बनाकर को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग–अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है। जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि श्पाप से घृणा करो पापी से नहींश फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना किश ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैंश। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे। एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं हो सकता है।

विचार अभिव्यक्ति की मर्यादा

हृदयनारायण दीक्षित

अभिव्यक्त की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निर्माताओं ने सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह अधिकार असीम नहीं है। इसकी सीमा है। संविधान के अनुच्छेद 19 में यह अधिकार स्पष्ट है। कहा गया है, "सभी नागरिकों को वाक् स्वातंत्र्य और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य का अधिकार होगा।" वहीं इसी अनुच्छेद के खण्ड 2 में इस अधिकार की मर्यादा बताई गई है। अभिव्यक्ति का अर्थ क्या है? अस्तित्व सत्य है, अस्तित्व सुंदर है और शिव भी है। हमारे उद्भव का स्रोत अस्तित्व है। अस्तित्व प्रतिपल अभिव्यक्त हो रहा है। सत्य, शिव और सुंदर को प्रकट करना और राष्ट्र को आनंद आपूरित करना अभिव्यक्ति का उद्देश्य है। संगीत, कला, काव्य और साहित्य सहित सभी सृजन विचार स्वातंत्र्य में ही खिलते हैं। आधुनिक विश्व के सभी देशों में इनका सम्मान है। लेकिन भारत और शेष विश्व में इनके उद्देश्यों में मौलिक अंतर है। भारतीय संगीत, कला, काव्य और मूल कर्तव्यों का है। प्रख्यात संविधानविद् न्यायमूर्ति डी0डी0 वसु की टिप्पणी पठनीय है कि "मूल कर्तव्य न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है। इनका उल्लंघन भी दण्डनीय नहीं है लेकिन न्यायालय ऐसे व्यक्ति की प्रेरणा पर मूल अधिकार का प्रवर्तन करने से इंकार कर सकता है जिसने संवैधानिक कर्तव्यों में से किसी एक का उल्लंघन किया है।" इस सूची में संविधान का पालन, संवैधानिक संस्थाओं, राष्ट्रध्वज व राष्ट्रगान का आदर, राष्ट्र की संप्रभुता, एकता, अखण्डता का सम्मान, समानता

आगे कहा गया है कि, "भारत की संप्रभुता, अखण्डता, सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बंध, लोकव्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के सम्बंध में विद्यमान विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा।" बीते कुछ समय से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के इस अधिकार का दुरुपयोग बढ़ रहा है। इस पर पर राष्ट्रीय बेचौनी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कई मामलों में स्पष्ट किया है कि विचार अभिव्यक्ति की यह स्वतंत्रता निरपेक्ष नहीं है। दरअसल सोशल मीडिया में सक्रिय एक बड़े वर्ग द्वारा आभासी आक्रमण दंगा भड़काने वाले पोस्ट डाले जा रहे हैं। अश्लील चित्र और अवैध संबंधों का महिमामण्डन किया जा रहा है। ऐसे में सोशल मीडिया जैसे विशाल मंच के दुरुपयोग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। देश चिंतित है। सांप्रदायिक संघर्ष भड़काने वाली झूठी सूचनाएं भी राष्ट्रीय एकता और आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरनाक बताई जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने विकलांग व्यक्तियों पर आपत्तिजनक टिप्पणियों को गंभीरता से लिया है। सर्वोच्च न्यायपीठ ने अटॉर्नी जनरल से सोशल मीडिया के दिशा निर्देश तैयार करने की अपेक्षा की है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का निरंकुश दुरुपयोग राष्ट्र के लिए अच्छा नहीं है। एक अन्य मुकदमे में सर्वोच्च न्यायपीठ ने कहा है कि, "अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मूल्यवान है। आखिरकार देश के नागरिक स्वयं अपना नियमन क्यों नहीं कर सकते?" भारत विश्व प्रतिष्ठित देश है। हम भारत के लोग अपने परिजनोंध्देशवासियों से शब्द संयम की न्यूनतम अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। यह बात सही है कि विचार अभिव्यक्ति आवश्यक है, लेकिन इससे भी ज्यादा यह बात आवश्यक है कि अभिव्यक्ति का सौंदर्य और उसका प्रवाह अश्लील अभद्र और आक्रामक न हो। संप्रति सोशल मीडिया में सदाचार और अभद्र आचरण को भी जाति वर्ग में बांटने का प्रचार चल रहा है। आखिरकार विचार साहित्य का लक्ष्य लोकमंगल है। यहां जो लोकमंगल नहीं साधता वह साहित्य नहीं हो सकता। यहां श्रीकृष्ण भी बांसुरी वादक हैं और शिव नटराज। ऋग्वेद में अग्नि देवता व बृहस्पति को भी कवि बताया गया है। यहां विचार अभिव्यक्ति का लक्ष्य किसी की भावनाओं को चोट पहुंचाना नहीं था। भारतीय भाषाओं के सबसे लोकप्रिय कवि तुलसीदास ने रामचरित मानस लिखी थी। यहां पहले से ही इस्लामी शासन था लेकिन उनकी रामकथा में इस्लाम या तत्कालीन शासकों पर कोई टिप्पणी नहीं है। संविधान निर्माता सजग थे। उन्होंने विचार अभिव्यक्ति का स्वातंत्र्य दिया, साथ ही मर्यादा के बंधन भी लगाए। संविधान सभा (1.12.1948) में प्रो0 के0टी0 शाह ने बंधनों का विरोध किया, कहा कि "यहां मुख्य प्राविधान के बजाय अपवादों पर अधिक जोर दिया गया है, वास्तव में दांए हाथ से जो कुछ दिया गया है उसे तीन, चार बार बांए हाथों से छीन लिया गया है।" शाह ने समाचार पत्रों को अधिकार देने की मांग की। कहा "संयुक्त राष्ट्र संघ के घोषणा पत्र में समाचार पत्रों की स्वाधीनता को प्रमुख स्थान दिया गया है। हमारे मसौदाकारों ने इसे क्यों छोड़ा?" दामोदर स्वरूप सेठ ने भी कहा कि "इस अनुच्छेद में जिन अधिकारों को दिया गया है उनका उसी अनुच्छेद की धारा से खण्डन हो जाता है।" अनेक तर्क हुए लेकिन अंततः बंधनों पर ही सहमति हुई। समाचार पत्रों को इसी अधिकार में सम्मिलित माना गया। मर्यादाओं की सूची में 'अपराध प्रेरण, शिष्टाचार, सदाचार, न्यायालय अवमानय आदि शब्द रखे गए थे। लेकिन चीनी हमले के समय वामपंथी समूहों ने राष्ट्रीय संप्रभुता को भी चुनौती दी। तब 'भारत की संप्रभुता और अखण्डता' को प्रभावित करने वाली अभिव्यक्ति पर मर्यादा की बात 1963 के 16वें संविधान संशोधन में जोड़ी गयी। राष्ट्र का संवर्द्धन हरेक नागरिक का कर्तव्य है। संविधान का अनुच्छेद 51क (42वां संविधान संशोधन) व भाईचारा बढ़ाने, सांस्कृतिक परम्परा का सम्मान और परिरक्षण आदि 11 संवैधानिक कर्तव्य व्यों का पालन किए जाने की अपेक्षा की गई है। लेकिन अनेक लोग विचार अभिव्यक्ति के अधिकार का प्रयोग करते समय संवैधानिक कर्तव्यों का ध्यान नहीं रखते। भारत संघ बनाम नवीन जिन्दल मामले (2004) में न्यायालय ने राष्ट्रध्वज के लहराने को भी विचार अभिव्यक्ति मानकर अनुच्छेद 19(1) की परिधि में मौलिक अधिकार बताया था। वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है–शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरूपयोग में उत्तेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण हैं। विश्वविख्यात कलाकार एम0एफ0 हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेंगे या विकार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौन्दर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 में मौन रहने को भी अनु0 19(1क) के अधीन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है। लेकिन राजनैतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व गायब हैं। यहां आरोप–प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमण्डल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्यवाही नहीं कर सकते। इसलिए संसदीय शब्द अराजकता अपनी सीमा पार कर गई है। वाक् स्वातंत्र्य के अधिकार का सदुपयोग सामाजिक परिवर्तन में होना चाहिए। वाद–विवाद में मधुमय सम्वाद की प्राचीन संस्कृति को बढ़ाना चाहिए। समाज के छोटे से हिस्से की भी भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी का दुरूपयोग है। इसी तरह बात बे बात किसी विचार, संगीत, कला, काव्य या फिल्म को लेकर हल्ला बोलना भी स्वतंत्र समाज के लिए बहुत घातक है। राष्ट्र राज्य अपना कर्तव्य निभाए और नागरिक अपना।

अगर सही तरीके से स्किन केयर रूटीन फॉलो न किया जाए, तो पिंपल्स की समस्या ज्यादा बढ़ सकती है। यह समस्या न हो, इसके लिए कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसे में आज हम आपको पिंपल्स की समस्या से बचने के लिए कुछ जरूरी बातें बता रहे हैं।

वैसे तो पिंपल्स की समस्या कभी भी आ सकती है, लेकिन खासकर यह समस्या तब होती है, जब आपकी स्किन ऑयली होती है। ऑयली स्किन के कारण त्वचा के पोर्स बंद हो जाते हैं, जिसकी वजह से पिंपल्स से जुड़ी समस्या पैदा हो सकती है। इस दौरान अगर सही तरीके से स्किन केयर रूटीन फॉलो न किया जाए, तो यह समस्या ज्यादा बढ़ सकती है। यह समस्या न हो, इसके लिए कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पिंपल्स की समस्या से बचने के लिए कुछ जरूरी बातें बता रहे हैं, जिनको फॉलो करने से पिंपल्स की समस्या से बचा जा सकता है।

चेहरे को धोने से पहले जरूर करें ये काम

कई महिलाएं पिंपल्स की समस्या से बचने के लिए बाहर से आते ही फेस धोने लगती है। ऐसा करने से यह समस्या बढ़ सकती है। इससे बचने के लिए फेस धोने से पहले उसको टिश्यू पेपर की सहायता से साफ करें। फिर कुछ समय रुककर फेस वॉश से चेहरा धोएं।

बार–बार न करें फेसवॉश

अगर आप अपने फेस को बार–बार पानी से धोती हैं, साथ ही इस दौरान फेस वॉश का इस्तेमाल करती हैं, तब भी यह समस्या आ सकती है। इसलिए चेहरे को बार–बार धोने से बचना चाहिए। आप सुबह और शाम के समय फेस वॉश के मदद से चेहरा धोएं।

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल न करना

ऑयली स्किन होने पर स्किन को नमी की जरूरत पड़ती है। हालांकि कई महिलाएं मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल नहीं करती है। ऐसे में यह समस्या पैदा हो सकती है। इसलिए आप ऐसी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें, जो जेल–बेस्ड या फिर ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर हो।

ज्यादा स्क्रब का न करें इस्तेमाल

पोर्स में जमा गंदगी को साफ करने के लिए स्क्रब करना चाहती हैं, तो अधिक स्क्रब का इस्तेमाल करती हैं। ऐसे में स्किन को नुकसान हो सकता है और सप्ताह में 1 दिन ही स्क्रब का इस्तेमाल करना चाहिए।

तरह–तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

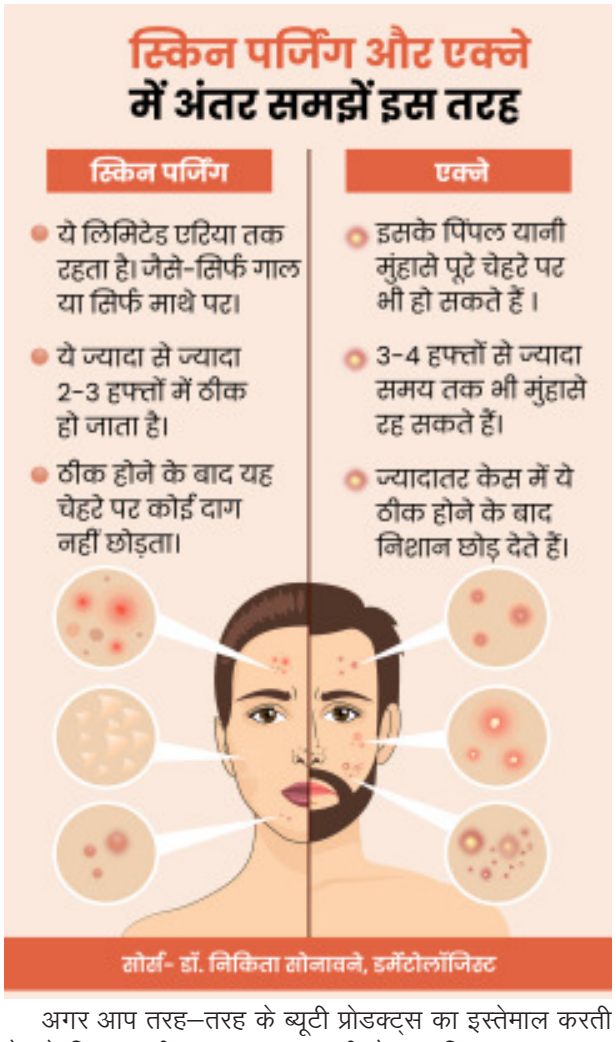

अगर आप तरह–तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, तो पिंपल्स की समस्या आ सकती है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि त्वचा के मुताबिक ही प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए।

इन बातों का रखें ख्याल

सबसे पहले फेस को अच्छे से क्लीन करें।
सही मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
फिर सनस्क्रीन जरूर अप्लाई करें।
आप कम से कम मेकअप का इस्तेमाल करें।
सप्ताह में 3 दिन फेस मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऑयल कंट्रोल करने के लिए कुछ फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अप्लाई करके आप ऑयल फ्री स्किन पा सकती हैं, साथ ही इससे आपकी स्किन भी साफ और ग्लोइंग नजर आएगी।

हम सभी चाहते हैं कि हमारी स्किन ग्लोइंग और साफ हो। इसके लिए हम सभी जरूरी स्किन केयर भी करते हैं। लेकिन जब फेस पर एक्स्ट्रा ऑयल को कम करने की बात आती है, तो हम स्क्रब करते हैं। लेकिन आप ऑयल को कंट्रोल करने के लिए फेस पैक की मदद ले सकते हैं। इससे आपकी स्किन पर मौजूद एक्स्ट्रा गंदगी साफ हो जाएगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऑयल कंट्रोल करने के लिए कुछ फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अप्लाई करके आप ऑयल फ्री स्किन पा सकती हैं, साथ ही इससे आपकी स्किन भी साफ और ग्लोइंग नजर आएगी।

फेस पैक लगाने के फायदे

फेस पैक को लगाने से चेहरे पर मौजूद एक्सट्रा गंदगी साफ हो जाती है। साथ ही, चेहरे का रंग भी निखरता है। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में 1 बार करें। इसके बाद आपको पार्लर जानें कि या महंगे प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपकी त्वचा में नेचुरली निखार नजर आएगा। बस आपको ऑयली त्वचा के हिसाब से फेस पैक की सामग्री को चूज करना होगा।

चंदन और दही का फेस पैक

आप चंदन और दही का फेस पैक चेहरे पर लगा सकती हैं। इस तरह के फेस पैक को लगाने से आपकी स्किन साफ हो जाएगी। साथ ही इससे आपके फेस पर अलग निखार आएगा और इस फेस पैक को आसान तरीके से बना सकती हैं।

ऐसे बनाएं चंदन और दही का फेस पैक

इस फेस पैक को बनाने के लिए एक कटोरी में 2 चम्मच चंदन पाउडर लें।

फिर इसमें 2 चम्मच दही मिक्स करें।

अब थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इसको फेस पर अप्लाई करें और सूखने के लिए छोड़ दें।

कुछ देर बाद जब यह सूख जाए, तो नॉर्मल पानी से फेस को हाथों से रब करते हुए साफ करें।

इस फेस पैक को लगाने से चेहरे पर मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल साफ हो जाएगा।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल फेस पैक

अगर आपके फेस पर ऑयल के कारण से रेडनेस होने लगी है, तो आप एलोवेरा जेल और मुल्तानी मिट्टी को मिलाकर फेस पैक लगाएं। इस तरह के फेस पैक को लगाने से आपकी स्किन में मौजूद आसानी से साफ हो जाएगी। इससे आपके फेस पर ग्लोइंग नजर आएगी।

ऐसे बनाएं मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल फेस पैक

सबसे पहले एक कटोरी में मुल्तानी मिट्टी का पाउडर लें।

फिर इसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल को मिक्स करें।

अब हल्का सा पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें और ब्रश की मदद से फेस पर अप्लाई करें। फिर 20 मिनट बाद इसको पानी से साफ कर लें।इससे आपकी स्किन साफ और ग्लोइंग नजर आएगी। इन फेस पैक को लगाने से आपकी स्किन साफ नजर आएगी। वहीं आपके फेस पर अलग सा निखार दिखाई देगा। आप सही तरह से इन फेस पैक को बनाकर लगाना है। साथ ही आपको ऑयली स्किन से भी छुटकारा मिल जाएगा।

एक अच्छा हेयर सीरम बालों में चमक और स्मूदनेस वापस लाता है। साथ ही साथ, कलर को जल्दी फेड होने से भी बचाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही कलर्ड हेयर के लिए सीरम बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं। अक्सर अपने लुक को चेंज करने के लिए हम सभी बालों के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं। कभी एक नया हेयरकट तो कभी बालों को कलर करना हमें काफी अच्छा लगता है। एक बार जब बालों को कलर कर दिया जाता है तो पूरा लुक इंस्टेंट चेंज हो जाता है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि कलर्ड हेयर देखने में काफी अच्छे लगते हैं, लेकिन इसके साथ–साथ ऐसे बालों को बेहतर तरीके से केयर करने की जरूरत होती है। दरअसल, कलर, ब्लीच या हाइलाइट्स में जो केमिकल्स होते हैं, वो बालों को रूखा व बेजान बना देते हैं। ऐसे में जरूरी होता है कि बालों की स्मूथनेस को बनाए रखने के लिए हेयर सीरम का इस्तेमाल किया जाए। एक अच्छा हेयर सीरम बालों में चमक और स्मूदनेस वापस लाता है। साथ ही साथ, कलर को जल्दी फेड होने से भी बचाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही कलर्ड हेयर के लिए सीरम बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं।